Literacy for a Billion

Movie: Jewel Thief
Year: 1970

Song: Raat Akeli Hai
Lyricist: Majrooh Sultanpuri

रात अकेली है
बुझ गए दीए
आ के मेरे पास कानों में मेरे
जो भी चाहे कहिए
जो भी चाहे कहिए

रात अकेली है
बुझ गए दिए
आ के मेरे पास कानों में मेरे
जो भी चाहे कहिये
जो भी चाहे कहिये
रात अकेली है

तुम आज मेरे लिए रूक जाओ
रूत भी है फुरसत भी है
तुम्हे ना हो न सही
मुझे तुम से मोहब्बत है
तुम आज मेरे लिए रूक जाओ
रूत भी है फुरसत भी है
तुम्हे ना हो न सही
मुझे तुम से मोहब्बत है
मोहब्बत की इजाज़त है
तो चुप क्यूँ रहिए

जो भी चाहे कहिये
रात अकेली है
बुझ गए दिए
आ के मेरे पास कानों में मेरे
जो भी चाहे कहिये
जो भी चाहे कहिये
सवाल बनी हुई
दबी उलझन दबी सीनों में है
जवाब देना था
तो डूबे हो पसीनो में
सवाल बनी हुई
दबी उलझन दबी सीनों में है
ठनी है दो हसीनो में
तो चुप क्यों रहिये
जो भी चाहे कहिये
रात अकेली है
बुझ गए दिए
आ के मेरे पास कानों में मेरे
जो भी चाहे कहिये
जो भी चाहे कहिये

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.